काश मेरा भी एक टट्टू होता

सैम रेविन

चित्र: फ्रैंक ई. एलोइस

काश मेरा भी एक टट्टू होता

सैम रेविन

चित्र: फ्रैंक ई. एलोइस
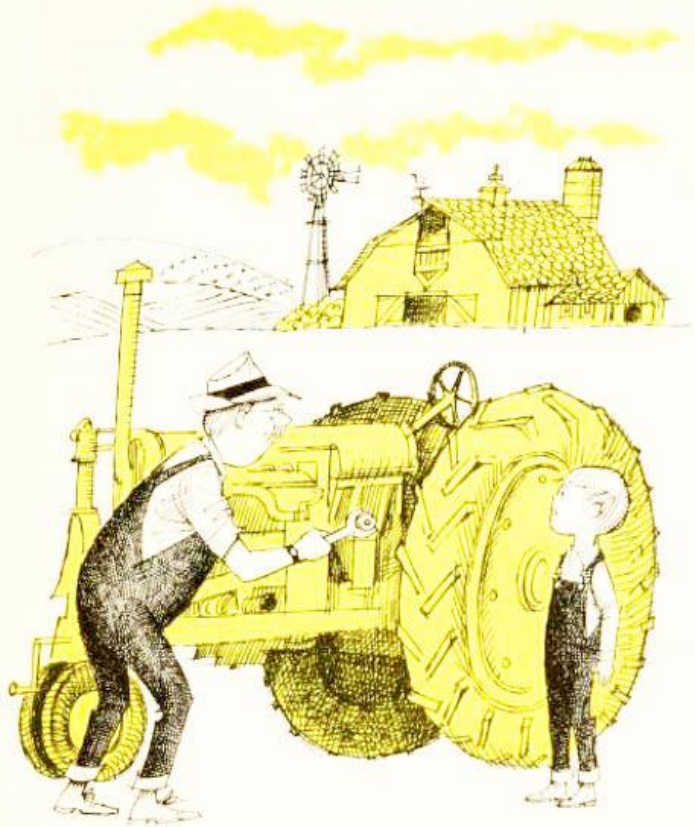
डैनी, गर्मियाँ की छुट्टियां अपने दादाजी के फार्म पर बिता रहा था.

"दादाजी," डैनी ने एक दिन कहा,
"काश मेरे पास एक टट्टू होता."

डैनी के दादाजी ट्रैक्टर की मरम्मत कर रहे थे.

"क्या मुझे एक टट्टू मिल सकता है, दादाजी?"
डैनी ने पूछा.

दादाजी ने उसकी ओर देखा.

"डैनी," उन्होंने कहा, "एक टट्टू को बहुत
देखभाल की ज़रूरत होती है."

"मैं उसकी देखभाल कर सकता हूँ."
डैनी ने कहा.

"अच्छा, तुम उसे साफ़ कैसे रखोगे?"

डैनी ने इसके बारे में सोचा.

फिर उसने तुक्का मारा.

"मैं उसे साबुन और पानी से नहलाऊँगा.
गर्म पानी से!"

"डैनी," उसके दादाजी ने कहा,
"टट्टू कोई लड़का नहीं होता है.
कोई भी अपने टट्टू को साबुन
और पानी से नहीं धोता है."

"जई का एक बुशल?" उसने कहा.

"जई का एक बुशेल!" दादाजी ने आश्चर्य से कहा.

"फिर तुम्हारा टट्टू पॉपकॉर्न की तरह फट जाएगा!"

"ओह," डैनी ने कहा.

"ठीक है," डैनी ने कहा, "मुझे पता है कि एक टट्टू काफी जई (ओट्स) खाता है."

"ठीक है," उसके दादाजी ने कहा, "क्या तुम जानते हो कितनी?"

डैनी ने इसके बारे में सोचा.

उसने बस अंदाज़ा लगाया.

अगले दिन डैनी अपनी साइकिल पर निकला.

वो पुस्तकालय तक अपनी साइकिल पर गया.

वहां उसे टट्टुओं के बारे में एक बड़ी किताब मिली.

वो उसे घर ले आया.

किताब में अच्छे चित्र थे.

लेकिन बहुत सारे शब्द थे!

"वाह! देखो इस किताब में
कितने कठिन शब्द हैं!"

इसलिए वो अपनी साइकिल पर गया और उसने किताब वापस कर दी.

लौटते समय वो टट्टू फार्म के पास से गुज़रा.

"शायद मैं देख सकूं कि यहाँ पर लोग क्या करते हैं," उसने सोचा.
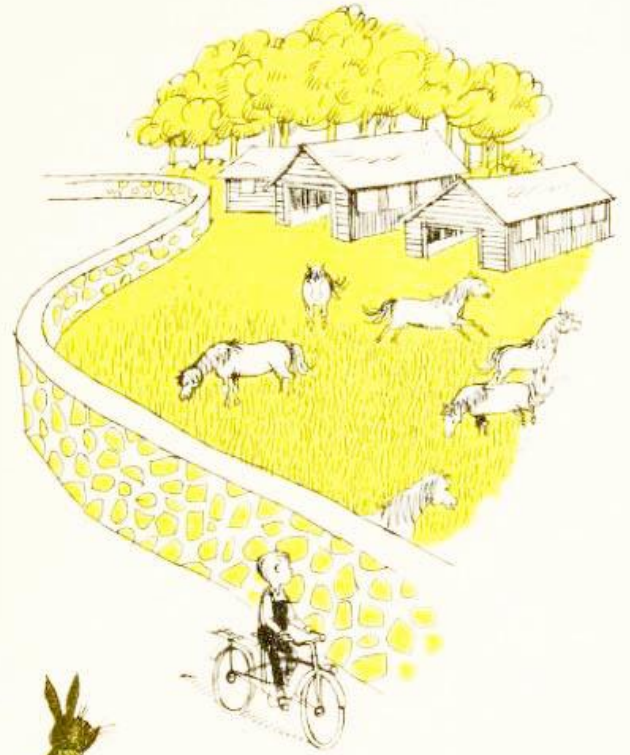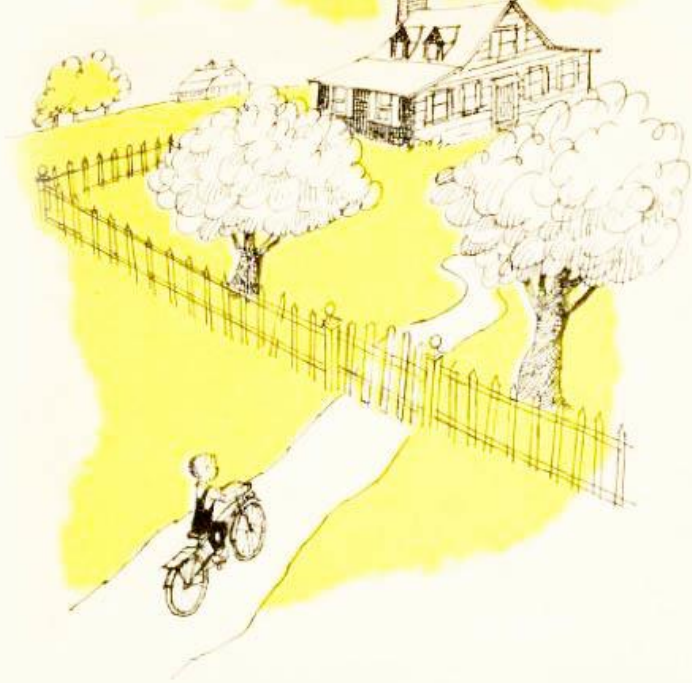
टट्टू फार्म के चारों ओर एक ऊंची दीवार थी.

डैनी दीवार पर चढ़ना चाहता था - सिर्फ अंदर देखने के लिए.

लेकिन उसे एक आदमी ने देख लिया.

उसने कहा, "लड़के, तुम यहाँ से चले जाओ."

फिर डैनी नीचे उतर गया.

डैनी के पास जाने के लिए एक और जगह थी.

वो माइक से मिलने जा सकता था.

माइक सड़क के नीचे रहता था.

वो डैनी से उम्र में बड़ा था और डैनी उसे अच्छी तरह से नहीं जानता था.

लेकिन माइक के पास एक टट्टू था - पीवी नाम का एक टट्टू.

फिर डैनी, माइक के घर गया.

माइक अपने आँगन में था और
टट्टू को खाना खिला रहा था.

"हेलो, डैनी!" माइक ने कहा.

"हेलो!" डैनी ने कहा.

"क्या मैं पीवी को थपथपा सकता हूँ?"

माइक ने हाँ कहा.

फिर डैनी ने टट्टू की गर्दन थपथपाई.

"माइक," डैनी ने कहा,

"मैं टट्टू की देखभाल करना
सीखना चाहता हूँ.

मुझे वो काम सीखना ही है!

क्या मैं पीवी की देखभाल में
तुम्हारी मदद कर सकता हूँ?"

माइक ने डैनी की ओर देखा.

फिर उसने कहा, "क्या तुम सफ़ाई करने में मेरी मदद करना चाहते हो?

देखो, वो काम कठिन है."

"ज़रूर!" डैनी ने कहा.
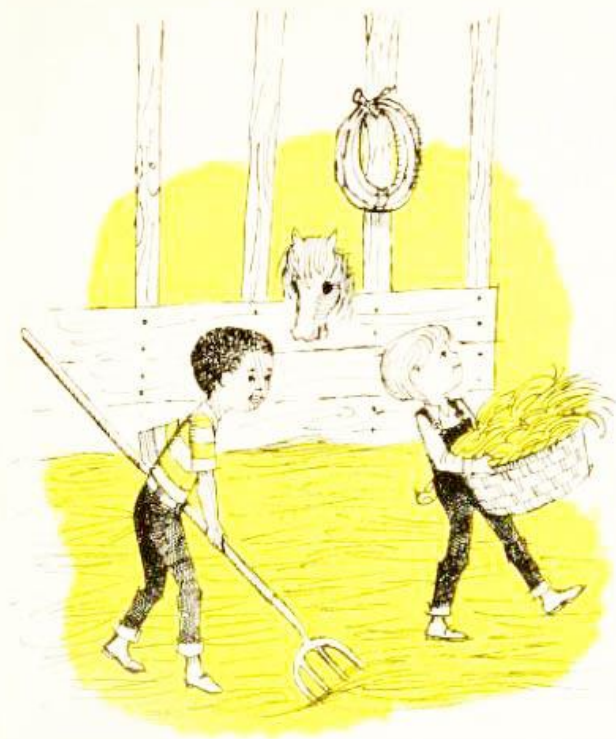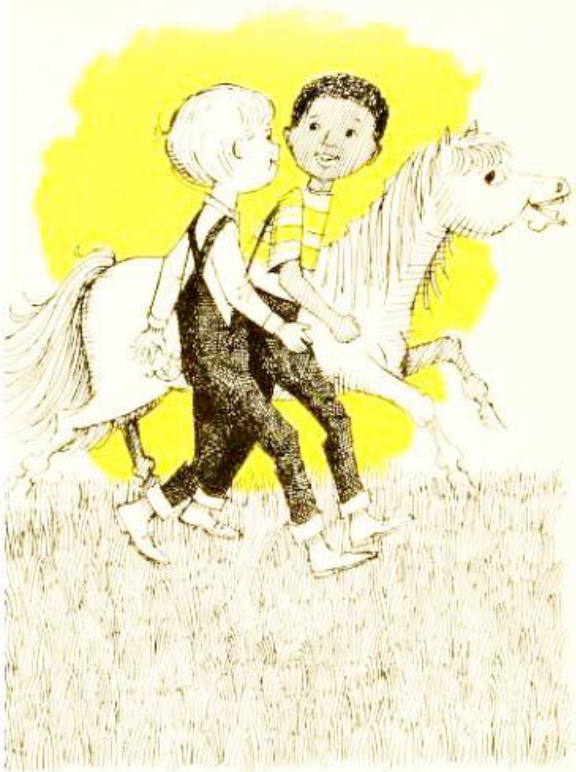
पीवी, खलिहान में एक स्टॉल में रहता था.

सबसे पहले लड़कों ने पीवी के स्टॉल से सारी पुरानी घास बाहर निकाली.

फिर उन्होंने वहां कुछ साफ घास डाली.

वो काम कठिन था.

"मैं पीवी के लिए यह काम हर दिन करता हूं,"
माइक ने कहा.

"अब मुझे थोड़ा पानी लाना होगा."

"उसे धोने के लिए?" डैनी ने पूछा.

"नहीं," माइक ने कहा.

"उसे पीने के लिए पानी चाहिए."
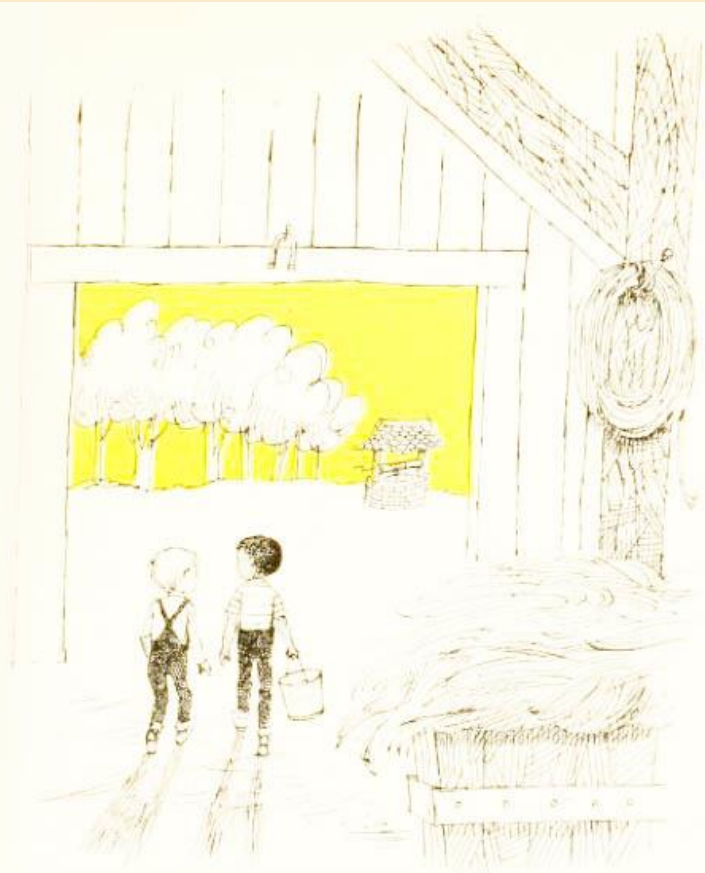
"क्या मैं तुम्हारी मदद कर सकता हूँ?"
डैनी ने पूछा.

"हमें पानी लेने के लिए कुएं पर जाना होगा."
माइक ने कहा.

"चलो चलते हैं."

डैनी ने माइक को कुएँ से पानी लाने में मदद की.

फिर माइक ने डैनी को, टट्टू को पानी पिलाने दिया.

"वाह, देखो उसे पानी पीते हुए!" डैनी ख़ुशी से चिल्लाया.

माइक ने कहा, "मैं पीवी के लिए यह काम दिन में दो बार करता हूं."

उसके बाद, डैनी हर सुबह पीवी की देखभाल में मदद करने के लिए आता था.

उसने स्टॉल में साफ घास डालने में माइक की मदद की.

उसने पानी लाने में माइक की मदद की.

उसने टट्टू को खाना खिलाने में माइक की मदद की.
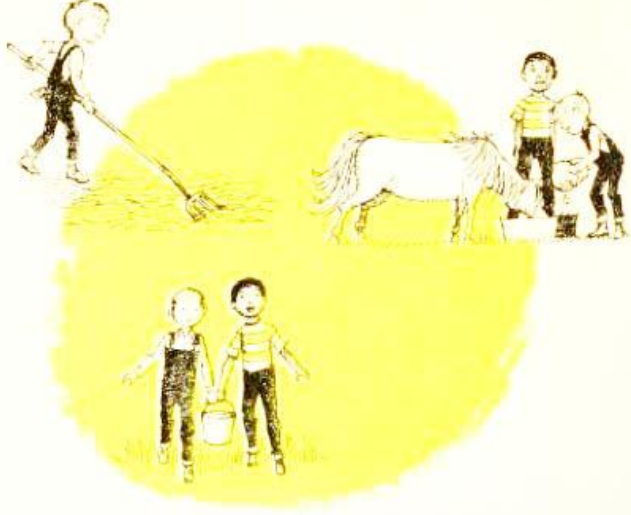
पीवी के स्टॉल में एक बक्सा था.

माइक हर दिन डिब्बे में कुछ जई (ओट्स) डालता था.

एक दिन उसने डैनी को जई (ओट्स) डालने दिये.

"नहीं, नहीं, डैनी!" माइक ने कहा.

"इतने नहीं! एक टट्टू एक दिन में सिर्फ एक क्वार्ट जई (ओट्स) ही खाता है."

"एक क्वार्ट कितना होता है?" डैनी ने पूछा.

माइक ने दूध की एक खाली बोतल ली.

"यह बोतल एक क्वार्ट की है," उसने कहा.

"माइक," डैनी ने कहा, "एक बुशेल कितना होता है?"

"एक बुशेल में," माइक ने कहा,

"इस तरह की बत्तीस बोतलें भर जाएंगी."

"बत्तीस बोतलें!"
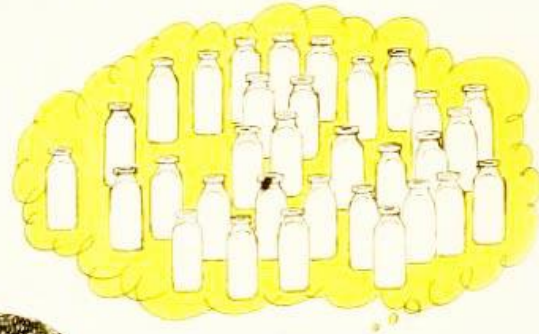
"एक टट्टू को दिन में कितनी घास खानी चाहिए," डैनी ने पूछा.

माइक ने कहा, "टट्टू दिन में जितनी मर्ज़ी चाहे उतनी घास खा सकता है."

पीवी के लिए डैनी के हाथ में एक सेब था.

"और टट्टू कितने सेब खा सकता है?" उसने पूछा.

माइक ने कहा, "बहुत सारे सेब टट्टू को बीमार कर देंगे."

"और देखो, पीवी को सेब बहुत पसंद हैं!" वो हंसा.

"देखो, वो अभी वो सेब खाना चाहता है!"

एक दिन माइक ने डैनी को पीवी को कैसे साफ़ करना है वो दिखाया.

माइक ने टट्टू के कोट को ब्रश किया.

उसने टैटू की पूँछ भी ब्रश की.

उसने टट्टू की गर्दन के सारे बाल साफ़ किए.

और पूरे समय

पीवी बिल्कुल स्थिर खड़ी रही.

फिर माइक ने डैनी को भी पीवी को ब्रश करने दिया.

और पीवी, डैनी के लिए भी स्थिर खड़ी रही.
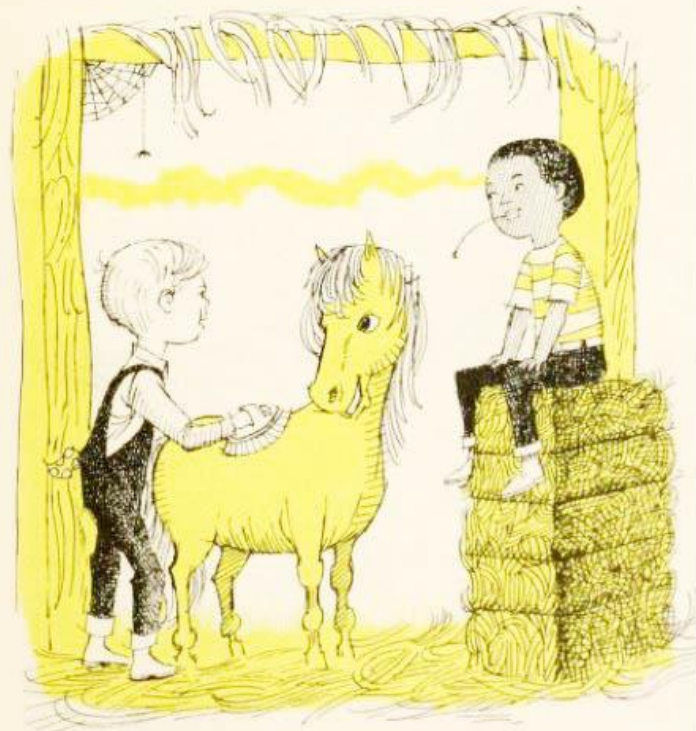
"देखो! पीवी को तुम्हारा ब्रश करने का तरीका पसंद आया," माइक ने कहा.

"पीवी तुम्हें पसंद करती है, डैनी."

एक सुबह माइक ने कहा.

"डैनी, क्या तुम मेरी मदद करोगे?

क्या आज के दिन तुम पीवी का ख्याल रखोगे?"

"अकेले?" डैनी ने कहा.

"हां, मुझे अपने पिता के साथ लकड़ियाँ लेकर शहर जाना है," माइक ने कहा.

"मैं दोपहर तक वापस आऊंगा.

क्या तुम मेरी मदद करोगे, डैनी?"

"अकेले!"

"हाँ. माइक!" डैनी ने कहा.

"हाँ मैं करूँगा!"

इसलिए उस दिन सुबह,

डैनी ने अकेले ही पीवी की देखभाल की.

काम कठिन था, लेकिन उसमें मज़ा भी था.

सबसे पहले, डैनी ने पीवी के स्टॉल में साफ घास डाली.

फिर उसने जई को चारे के डिब्बे में डाला.

फिर वो पानी लेने गया.
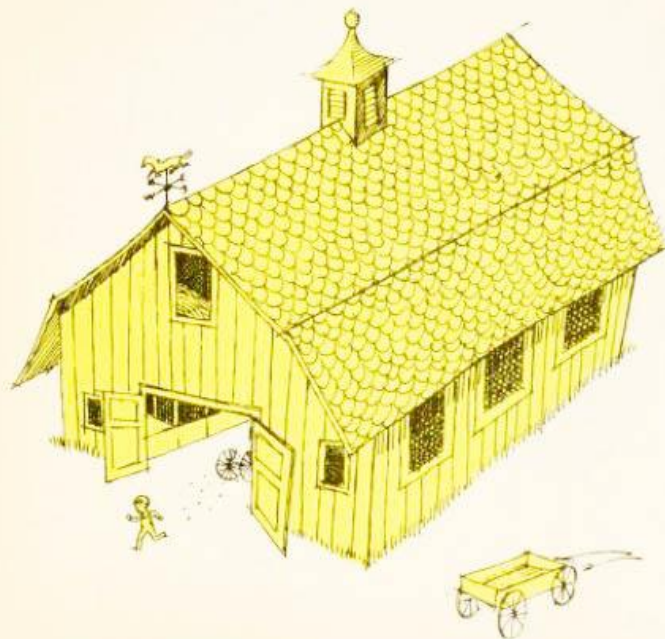
वो पीवी को पानी देने के लिए खलिहान में वापस आया.

लेकिन पीवी वहाँ नहीं थी!

डैनी खलिहान से बाहर भागा और उसने चारों ओर देखा.
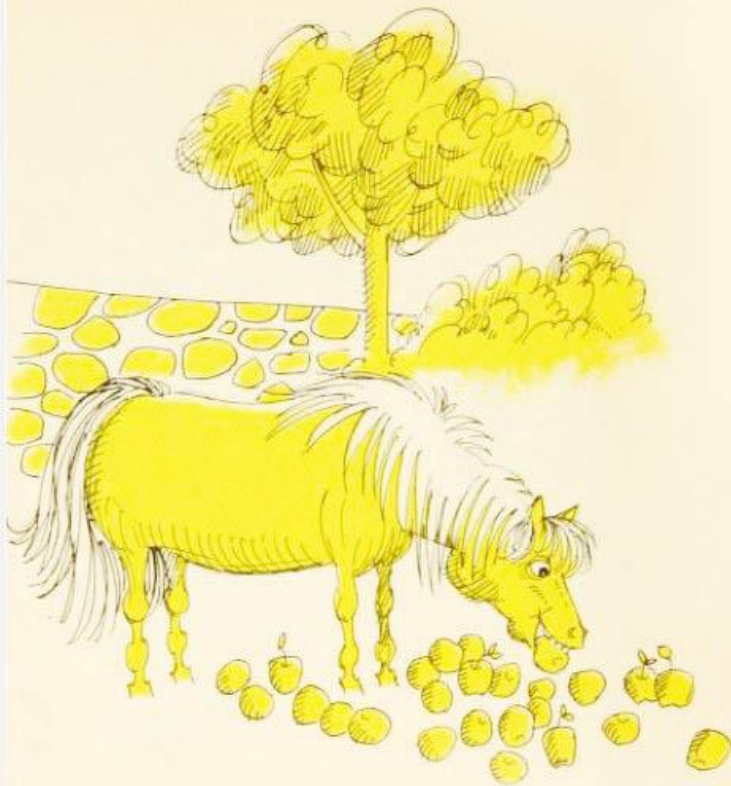
पीवी दीवार के पास खड़ी थी.

और वो तेज़ी से सेब खा रही थी!

तभी डैनी ने देखा कि पूरे आँगन
में सेब फैले हुए थे.
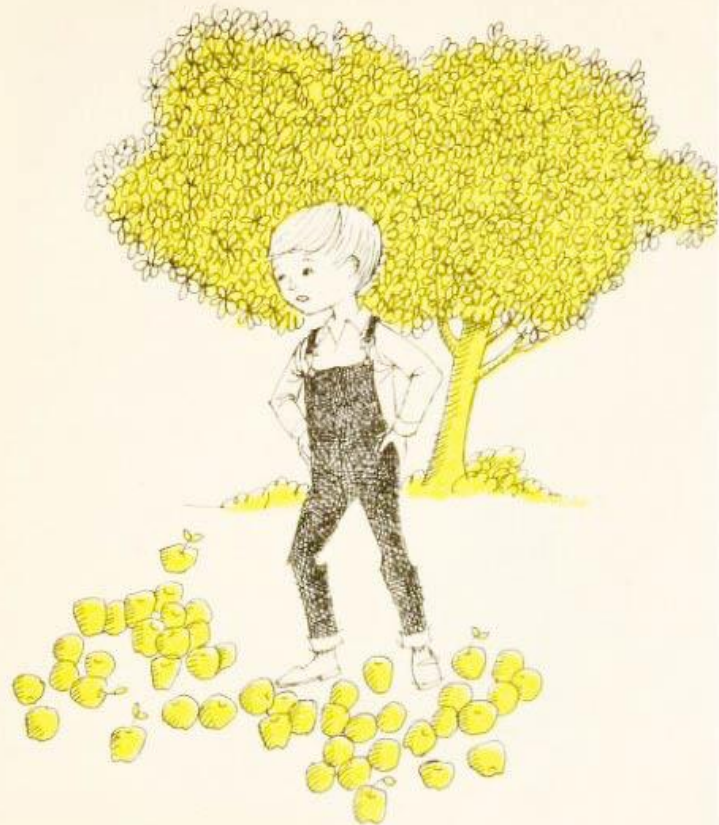
"यह सेब का एक बुशेल होना चाहिए!"
डैनी ने सोचा.

"मुझे लगता है कि वे सेब किसी ट्रक से
गिर पड़े होंगे!"

डैनी दौड़कर टट्टू के पास गया.

"चलो, पीवी!" वो चिल्लाया.

"सेब से दूर हो जाओ! इतने सेब मत खाओ!"

लेकिन पीवी को सेब उसी तरह पसंद थे जैसे डैनी को सेब का केक पसंद था.

पीवी वहां से हटना नहीं चाहती थी.
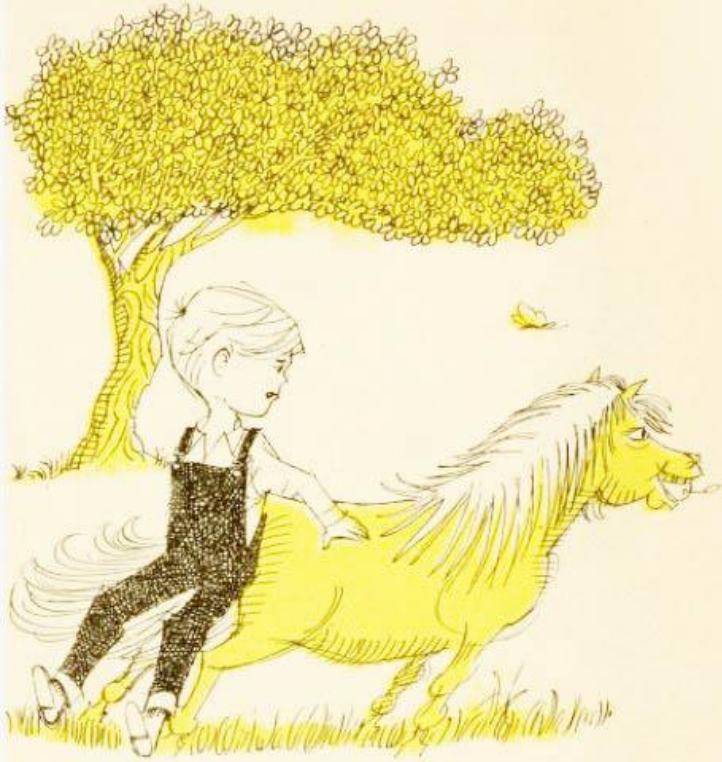
डैनी ने उसे थपथपाया और
धक्का दिया फिर उसे खींचा.

आख़िरकार, वो टट्टू को खलिहान
में वापस ले जा पाया.

दोपहर को माइक और उसके
पिता वापस लौटे.

अरे साथ में यह क्या आश्चर्य!

डैनी के दादाजी भी उनके साथ थे.

"हेलो, डैनी!" दादाजी ने कहा.

"माइक चाहता था कि मैं देखूँ कि तुम उसके टट्टू की देखभाल कैसे करते हो."

"यह क्या हैं?" माइक ने डैनी से पूछा.

"ज़रा इन सेबों को देखो!

क्या पीवी ने उन्हें देखा?"

"हाँ," डैनी ने उससे कहा.

"लेकिन मैं पीवी को वापस खलिहान में ले आया.

वो काम काफी कठिन था.

पीवी बाहर यार्ड में रहना और सेब खाना चाहती थी!"

"धन्यवाद, डैनी!" माइक ने कहा.

"तुम्हारा बहुत-बहुत धन्यवाद.
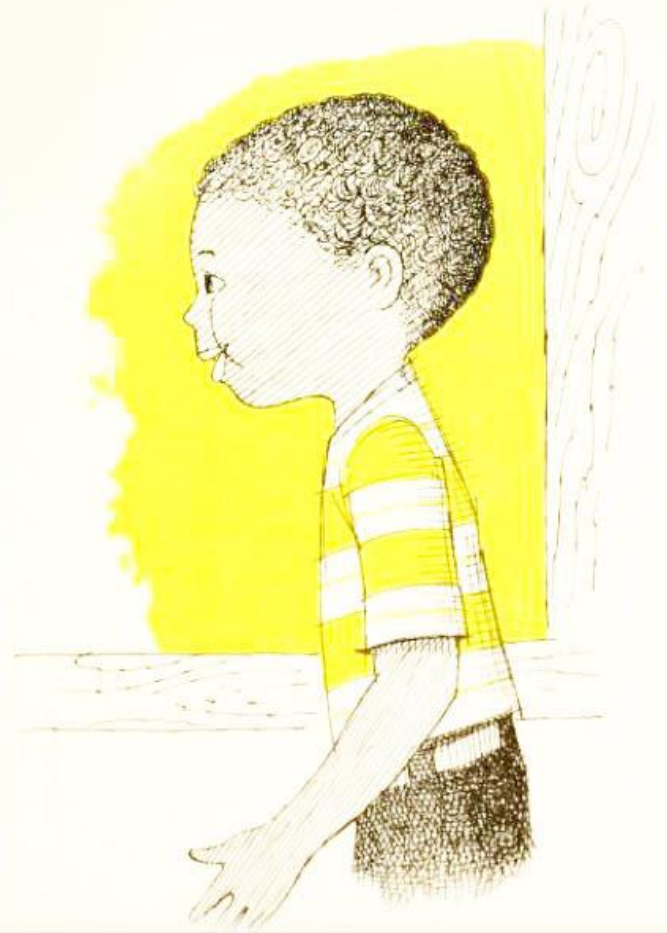
बहुत सारे सेब पीवी को बीमार कर देते.”

डैनी अपने दादाजी के साथ घर चला गया.

"तुमने माइक के टट्टू की बहुत अच्छी देखभाल की," दादाजी ने कहा.

"मुझे उसमें बड़ा मजा आया," डैनी ने कहा.

"काश मेरे पास भी अपना एक टट्टू होता!"

उसके दादाजी हँसे.

"क्या तुम उसे साबुन और गर्म पानी से नहलाओगे?"

डैनी भी हँसा.

तब उसने कहा,

"दादाजी, क्या मुझे एक टट्टू मिल सकता है? क्या मुझे..."

"हाँ, ज़रूर," उसके दादाजी ने कहा.

अंत